चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी (दिल्ली)	04.04.2026	--	--

पौधों में पोषक तत्वों के प्रबंधन हेतु खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को नवीनतम उन्नत तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा शोध कार्यों की जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा मृदा तथा पोषक तत्वों के प्रबंधन एवं अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने की। डा. तोमर ने अपने संबोधन में बताया कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का चयन करके वैज्ञानिक विधि के अनुसार खेती करके कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के दृष्टिगत किसानों को कीटनाशकों एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन को अपनाना चाहिए ताकि दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने किसानों को अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई, किसान मेले तथा कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	04.04.2026	--	--

मृदा व पोषक तत्व प्रबंधन को लेकर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 4 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा किसानों को उन्नत तकनीकों, बीजों व संतुलित उर्वरक प्रबंधन की जानकारी देने के लिए खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत हुआ, जिसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने की।

डॉ. दिनेश तोमर ने बताया कि किसान वैज्ञानिक विधि अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग और प्राकृतिक खेती को अपनाने पर जोर दिया तथा अनुसूचित जाति उप योजना के तहत मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में डॉ. रोहताश कुमार ने मृदा व पौधों में सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे जिंक, लौह, कॉपर व मैंगनीज के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इनसे फसल की पैदावार, गुणवत्ता और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर किसानों को मृदा अनुसंधान फार्म का भ्रमण भी करवाया गया तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी गई। साथ ही आवश्यक उर्वरकों का वितरण भी किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	03.04.2026	--	--

मृदा तथा पौधों में पोषक तत्वों के प्रबंधन हेतु खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

दक्ष दर्पण

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को नवीनतम उन्नत तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा शोध कार्यों की जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा मृदा तथा पोषक तत्वों के प्रबंधन एवं अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने की। डॉ दिनेश तोमर ने अपने संबोधन में बताया कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का चयन करके वैज्ञानिक विधि के अनुसार खेती करके कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के दृष्टिगत किसानों को कीटनाशकों एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन को अपनाना चाहिए ताकि दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने किसानों को अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत

किसानों को प्रशिक्षण, जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई, किसान मेले तथा कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। कार्यक्रम में किसानों को आवश्यक उर्वरको का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में डॉ रोहताश कुमार ने मृदा तथा पौधों में पोषक तत्वों के प्रबंधन की जानकारी देते हुए बताया कि फसलों के लिए सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे जिंक, लौह, कॉपर व मैंगनीज बहुत जरूरी है। पोषक तत्वों से फसल की पैदावार, गुणवत्ता और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीक व कृषि विधियों से अवगत कराने के लिए किसानों को मृदा अनुसंधान फॉर्म का भ्रमण भी करवाया गया, जहां विभिन्न अनुसंधान प्लांट, नई किस्म के प्रदर्शन और आधुनिक कृषि तकनीक का प्रत्यक्ष प्रदर्शन दिखाया गया। वैज्ञानिकों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाने,संसाधनों का सही उपयोग करने और वैज्ञानिक विधि के अनुसार खेती करने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	03.04.2026	--	--

मृदा तथा पौधों में पोषक तत्वों के प्रबंधन हेतु खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

दक्ष दर्पण

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को नवीनतम उन्नत तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा शोध कार्यों की जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा मृदा तथा पोषक तत्वों के प्रबंधन एवं अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने की। डॉ दिनेश तोमर ने अपने संबोधन में बताया कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का चयन करके वैज्ञानिक विधि के अनुसार खेती करके कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के दृष्टिगत किसानों को कीटनाशकों एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन को अपनाना चाहिए ताकि दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने किसानों को अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत

किसानों को प्रशिक्षण, जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई, किसान मेले तथा कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। कार्यक्रम में किसानों को आवश्यक उर्वरको का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में डॉ रोहताश कुमार ने मृदा तथा पौधों में पोषक तत्वों के प्रबंधन की जानकारी देते हुए बताया कि फसलों के लिए सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे जिंक, लौह, कॉपर व मैंगनीज बहुत जरूरी है। पोषक तत्वों से फसल की पैदावार, गुणवत्ता और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीक व कृषि विधियों से अवगत कराने के लिए किसानों को मृदा अनुसंधान फॉर्म का भ्रमण भी करवाया गया, जहां विभिन्न अनुसंधान प्लांट, नई किस्म के प्रदर्शन और आधुनिक कृषि तकनीक का प्रत्यक्ष प्रदर्शन दिखाया गया। वैज्ञानिकों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाने,संसाधनों का सही उपयोग करने और वैज्ञानिक विधि के अनुसार खेती करने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5-4-26	04	7-8

मृदा तथा पौधों में पोषक तत्वों के प्रबंधन हेतु खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 3 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा क़िसानों को नवीनतम उन्नत तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा शोध कार्यों की जानकारी देने के लिए मृदा विज्ञान विभाग द्वारा मृदा तथा पोषक तत्वों के प्रबंधन एवं अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने की। कार्यक्रम में डा. रोहताश कुमार ने मृदा तथा पौधों में पोषक तत्वों के प्रबंधन की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	5-4-26	11	2-3

किसानों को कीटनाशकों एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन को अपनाना चाहिए

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से किसानों को नवीनतम उन्नत तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा शोध कार्यों की जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग की ओर से मृदा व पोषक तत्वों के प्रबंधन एवं अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने की। डॉ. दिनेश तोमर ने अपने संबोधन में बताया कि किसान विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का चयन करके वैज्ञानिक विधि के अनुसार खेती करके कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के दृष्टिगत किसानों को कीटनाशकों एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन को अपनाना चाहिए ताकि दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके।